आईएनएस माहे और भारत का शांत समुद्री परिवर्तन: स्वदेशी शक्ति के माध्यम से तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ करना

UPSC प्रासंगिकता

- **प्रारंभिक परीक्षा (Prelims): माहे-श्रेणी का ASW पोत; आदर्श वाक्य—शांत शिकारी; CSL द्वारा निर्मित; 80% स्वदेशी; नौसेना के जहाज का कमीशन करने वाले पहले सेना प्रमुख।**
- **GS-3: सुरक्षा, समुद्री खतरे, ASW प्रणालियाँ, आत्मनिर्भर भारत, हिंद महासागर भू-राजनीति।**

समाचार में क्यों?

भारतीय नौसेना ने **आईएनएस माहे** (INS Mahe) को कमीशन किया, जो कि **माहे-श्रेणी** का पहला **पनडुब्बी रोधी युद्धपोत (ASW) शैलो वॉटरक्राफ्ट** है। इसे कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (**CSL**) द्वारा 80% से अधिक स्वदेशी घटकों के साथ डिज़ाइन और निर्मित किया गया है। यह पहली बार है जब किसी सेना प्रमुख—जनरल उपेंद्र द्विवेदी—ने नौसेना के युद्धपोत के कमीशन समारोह की अध्यक्षता की है, जो **तीनों सेवाओं के बीच बढ़ते तालमेल** को उजागर करता है।

पृष्ठभूमि

भारत की 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा, महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग, और हिंद महासागर क्षेत्र (**IOR**) में बढ़ते भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा के कारण मजबूत समुद्री निगरानी की आवश्यकता है। चीन की बढ़ती पनडुब्बी उपस्थिति, तटीय घुसपैठ का खतरा, पानी के नीचे के ड्रोन (underwater drones), और **ग्रे-ज़ोन ऑपरेशन** ने भारत को स्वदेशी नौसेना निर्माण को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया है—जैसे आईएनएस विक्रांत, स्कॉर्पीन पनडुब्बियाँ, पी-15बी विध्वंसक (destroyers), आदि। इस संदर्भ में, आईएनएस माहे जैसे **शैलो-वॉटर ASW पोत** तटीय सुरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाते हैं।

Result Mitra
9235313184, 9235440806

आईएनएस माहे के बारे में

आईएनएस माहे आठ **माहे-श्रेणी** के पोतों में प्रमुख (lead ship) है। इसका आदर्श वाक्य—"**शांत शिकारी**" (**Silent Hunters**) है—जो इसकी चोरी-छिपे (stealth) काम करने की क्षमता और तत्परता को दर्शाता है।

मुख्य विशेषताएँ:

- **ASW** (दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने, ट्रैक करने और नष्ट करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकें) **शैलो वॉटरक्राफ्ट** जो तटीय और लिटोरल (तट के निकट) संचालन के लिए है।
- **80% स्वदेशी घटक।**
- उन्नत सेंसर, संचार प्रणालियों और सटीक हथियारों से लैस।
- **सतत उथले पानी के संचालन** (sustained shallow-water operations) में **सक्षम।**
- बड़े जहाजों, पनडुब्बियों और नौसेना उड्डयन संपत्तियों के साथ एकीकृत होता है।

महत्व

1. तटीय सुरक्षा को मजबूत करना

- यह निकट-समुद्र क्षेत्रों में पनडुब्बियों के विरुद्ध **रक्षा की पहली पंक्ति** के रूप में कार्य करता है, जो गुप्त पानी के नीचे घुसपैठ को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।

2. आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा

- उच्च स्वदेशी सामग्री भारत के **परिपक्व रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र** और विदेशी निर्भरता में कमी को दर्शाती है।

IAS-PCS Institute

3. समुद्री डोमेन जागरूकता बढ़ाना

- **लिटोरल ज़ोन** (जैसे पाक खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और अरब सागर के मार्ग) की निरंतर निगरानी में सुधार करता है।

4. त्रि-सेवा तालमेल

- सेना प्रमुख द्वारा नौसेना के युद्धपोत को कमीशन करना **गहरे संयुक्तता** (deeper jointness) का संकेत देता है, जो भविष्य के **थिएटर कमांड** के लिए महत्वपूर्ण है।

5. सामरिक भू-राजनीतिक संकेत

- एक प्रतिस्पर्धी IOR में भारत की **बढ़ती समुद्री शक्ति** को मजबूत करता है और **ब्लू वॉटर नेवी** के दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

Result Mitra

चुनौतियाँ

- सीमित जहाज निर्माण क्षमता, जिसके कारण देरी होती है।
- सोनार, प्रणोदन (propulsion) और हथियार प्रणालियों में विदेशी तकनीक पर निर्भरता।
- चीन के बढ़ते पनडुब्बी बेड़े से **पानी के नीचे के खतरे** में वृद्धि।
- नौसेना–तटरक्षक–खुफिया एकीकरण की अधिक आवश्यकता।
- स्वदेशी प्रणालियों के लिए रखरखाव और आपूर्ति-श्रृंखला में अड़चनें।

9235313184, 9235440806

आगे की राह (Way Forward)

- अधिक शैलो-वॉटरक्राफ्ट, ड्रोन और हेलीकॉप्टरों के साथ **ASW बेड़े का विस्तार** करना।
- सोनार, प्रणोदन और **एआई-सक्षम प्रणालियों** के लिए स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास (R&D) में निवेश करना।
- संयुक्त प्रशिक्षण और थिएटर कमांड के माध्यम से **त्रि-सेवा एकीकरण** को मजबूत करना।
- जहाज निर्माण में **निजी क्षेत्र की भागीदारी** बढ़ाना।
- एकीकृत रडार, उपग्रहों और पानी के नीचे के सेंसर के माध्यम से समुद्री डोमेन जागरूकता को बढ़ाना।

निष्कर्ष

आईएनएस माहे भारत की समुद्री तैयारी में एक **निर्णायक कदम** है। यह तटीय सुरक्षा को मजबूत करता है, स्वदेशी क्षमता को बढ़ावा देता है, और आधुनिक **बहु-डोमेन युद्ध** (multi-domain warfare) के लिए आवश्यक त्रि-सेवा तालमेल को दर्शाता है। IOR में पानी के नीचे के खतरों के बढ़ने के साथ, ऐसे प्लेटफॉर्म सुनिश्चित करते हैं कि भारत के लिटोरल क्षेत्र सुरक्षित रहें। R&D, क्षमता विस्तार और एकीकृत संचालन में निरंतर निवेश भारत के समुद्री भविष्य को आकार देगा, और **आईएनएस माहे** इस रास्ते पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

UPSC प्रीलिम्स अभ्यास प्रश्न

IAS-PCS Institute

प्रश्न 1. INS महे के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक स्वदेशी गश्ती पोत है जिसे तटीय और उथले जल संचालन के लिए डिजाइन किया गया है।
2. इसका प्राथमिक उद्देश्य गहरे समुद्र में पनडुब्बी रोधी युद्ध संचालन है।
3. यह द्वीपीय क्षेत्रों में भारत की समुद्री निगरानी क्षमता को बढ़ाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) 1 और 3 ही
(b) 2 और 3 ही
(c) 1 और 2 ही
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a) 1 और 3 ही

(कथन 2 गलत है क्योंकि INS महे गहरे समुद्र के ASW प्लेटफ़ॉर्म के रूप में उपयोग नहीं होता।)

Result Mitra

प्रश्न 2. INS महे निम्नलिखित में से किन तरीकों से भारत की तटीय रक्षा संरचना में योगदान देता है?

1. पश्चिमी समुद्री तट पर डोमेन जागरूकता बढ़ाना
2. खोज-और-बचाव अभियानों में सहायता
3. नौसेना ठिकानों के बीच आपूर्ति-श्रृंखला कनेक्टिविटी सुधारना
4. इंडो-पैसिफ़िक में लंबी दूरी की शक्ति प्रदर्शन सक्षम करना

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

(a) 1 और 2 ही
(b) 1, 2 और 3 ही
(c) 2, 3 और 4 ही
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b) 1, 2 और 3 ही

(INS महे लंबी-दूरी ब्लू-वॉटर पावर प्रोजेक्शन के लिए नहीं है।)

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से कौन-सा संस्थान INS महे के निर्माण के लिए उत्तरदायी है?

(a) कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
(b) गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

(c) गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड
(d) हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड
उत्तर: (d) कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

प्रश्न 4. INS महे का कमीशनिंग निम्नलिखित में से किस व्यापक राष्ट्रीय पहल के अनुरूप है?

1. सागरमाला
2. आत्मनिर्भर भारत
3. मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030
4. राष्ट्रीय तटीय पुलिसिंग रणनीति 2020

सही उत्तर चुनिए:
(a) 1 और 3 ही
(b) 2 और 4 ही
(c) 2, 3 और 4 ही
(d) 1, 2, 3 और 4
उत्तर: (d) 1, 2, 3 और 4

प्रश्न 5. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

उद्देश्य	— प्लेटफ़ॉर्म/पहल
उथले जल में गश्ती एवं इंटरडिक्शन	— INS महे
लंबी दूरी की समुद्री स्ट्राइक	— INS विक्रमादित्य
पनडुब्बी बचाव क्षमता	— INS शिवालिक
स्वदेशी सोनार विकास	— DRDO-NIOT साझेदारी

ऊपर दिए गए युग्मों में से कितने सही से मेल खाते हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चार
उत्तर: (d) सभी चार